प्रेस विज्ञप्ति

गुस्सा छोड़कर प्रेम से काम लें, क्षमा कर दुआएँ प्राप्त करें ...ब्रह्माकुमारी शिवानी

रायपुर, 13 दिसम्बर, 2012: ब्रह्माकुमारी शिवानी ने कहा कि नई राजधानी में ऐसी विधानसभा हो जहाँ कोई क्रोध न करे। क्रोध की बजाय प्रेम करे। सदैव सर्व को सहयोग देकर उनकी दुआएँ प्राप्त करें, ताकि छत्तीसगढ़ का नाम पूरे विश्व में रौशन हो सके।

आस्था और संस्कार चैनल पर प्रतिदिन प्रसारित होने वाले कार्यक्रम अवेकनिंग विथ ब्रह्माकुमारीज की मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन विधानसभा परिसर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रेक्षागृह में मंत्रियों एवं विधायकों को सम्बोधित कर रही थीं। विषय था- सफल राजनीतिक जीवन के लिए सुगम मेडिटेशन। उन्होंने बतलाया कि सबसे ज्यादा आत्मा की शक्ति का नुकसान गुस्सा करने से होता है। जिसका परिणाम हमें तनाव, हताशा और डिप्रेशन के रूप में देखने को मिलता है। जीवन से खुशी गायब हो जाती है। खुशी के बिना जीवन को जीने का उमंग खत्म हो जाता है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि नये साल में नया सोच और नया विचार हो तो ही सच्चे अर्थों में नई राजधानी बन सकेगी और आप दुनिया के आगे एक मिसाल बन सकेंगे।

उन्होंने बतलाया कि योग से आत्मा को शक्ति मिलती है। योग स्वयं पर राज करना सिखलाता है। उन्होंने कहा कि लोग समझते हैं कि गुस्सा नहीं करने से काम नहीं चलेगा, किन्तु गुस्सा छोड़कर देखें, स्नेह से काम और ज्यादा अच्छा चलता है। एक दिन क्रोध को छोड़कर आंकलन कर लें, आप देखेंगे जीवन में खुशी और शक्ति महसूस होगी। हल्कापन फनुभव होगा।

उन्होंने बतलाया कि सुबह यदि सोकर उठते समय थोड़ी देर और सोने की इच्छा होती है तो इसका मतलब यह है कि नींद पूरी नहीं हुई है। यानि हम सोए तो थे लेकिन गहरी नींद नहीं थी। नींद पूरी नहीं होने से भी गुस्सा आता है। उन्होंने सभा में उपस्थित राजनताओं से कहा कि आपको लोगों की सेवा करके दुआएँ प्राप्त करने का बहुत बड़ा सौभाग्य मिला है। जब आपके पास लोग दु:खी होकर अपना काम कराने के लिए आते हैं तो उनका सहयोग करिए, उनकी परेशानी दूर करके आप लोगों की दुआएँ प्राप्त कर सकते हैं। मेडिटेशन से श्रेष्ठ कर्म करने का ज्ञान और शक्ति मिलती है। इससे गुस्सा को छोड़ने की शक्ति भी मिलती है। इसके साथ ही उन्होंने सारे दिन में यह अटेन्शन रखने को कहा कि मुझसे कोई ऐसा कर्म न हो जिससे किसी को कष्ट पहुँचे।

सभा में उपस्थित जाने-माने फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेराय ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान स जुड़ने से पहले उनका जीवन बहुत ही तामसिक था। बात-बात में गुस्सा करने की उनकी खराब आदत थी। लेकिन टेलिविजन पर ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन का व्याख्यान सुनकर उन्हें अपने जीवन को परिवर्तित करने की प्रेरणा

(शेष अगले पृष्ठ 2 पर ...)

(ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ....पिछले पृष्ठ का शेष ...)

मिली। पहले वह मन के गुलाम थे, किन्तु जब उन्हें राजयोग मेडिटेशन का ज्ञान हुआ तबसे उनका जीवन पूरी तरह से बदल चुका है। अब उन्हें परमात्मा के साथ राजयोग के माध्यम से सम्बन्ध जोड़ना आ गया है।

क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य सुख की प्राप्ति का प्रयास करता है। लेकिन उसके सारे प्रयास अल्पकालिक ही होते हैं। जीवन को सुखी बनाने का तरीका बतलाने के लिए ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन यहाँ आयी हुई हैं।

इससे पहले प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के कार्यकारी सचिव ब्रह्माकुमार मृत्युजंय ने संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी का सन्देश पढ़कर सुनाया। सभा में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष धरम लाल कौशिक, उपाध्यक्ष नारायण दास चन्देल, लोक निर्माण मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, नेता प्रतिपक्ष रविन्द्र चौबे सहित बड़ी संख्या में मंत्री, विधायक एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में धमतरी की ब्रह्माकुमारी नवनीता बहन ने सुमधुर गीत गाकर भाव विभोर कर दिया।

प्रेषक: मीडिया प्रभाग,
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
शान्ति सरोवर, रायपुर फोन: 2104218